जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

01 अक्टूबर, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

महात्मा गांधी की 152 वीं जयंती पर जामिया में विभिन्न कार्यक्रम

जामिया मिल्लिया इस्लामिया महात्मा गांधी की 152 वीं जयंती पर में कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। 'महात्मा गांधी: द लाइफ एंड टाइम' थीम पर एक प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के डॉ जाकिर हुसैन लाइब्रेरी के प्रदर्शनी हॉल में 2 अक्टूबर, 2021 को आयोजित की जाएगी| डॉ नाज़िम हुसैन जाफरी, कुलसचिव,जामिइ 11:00 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इस प्रदर्शनी में महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उनके जीवन एवं समय के बारे में जागरूकता और जानकारी प्रदान करने के लिए, पुस्तकालय में संरक्षित महात्मा गांधी की दुर्लभ तस्वीरों, व्यक्तिगत पत्रों, कागजात, पुस्तकों और अन्य अभिलेखीय सामग्री का प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग (डीएसीईई), जामिया के छात्र और शोधार्थी; राष्ट्रपिता के जीवन के प्रेरक किस्से सुनाकर गांधी जयंती मनाएंगे। इन किस्सों को गूगल मीट पर सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में ऑनलाइन सुनाया जाएगा। ज्वाइनिंग लिंक: https://meet.google.com/qyz-juja-dbk।

यह उपाख्यान गांधीजी की जीवन यात्रा, सत्य के साथ उनके प्रयोग पर प्रकाश डालेंगे और यह समझाने का प्रयास करेंगे कि कैसे यह कमजोर लेकिन लम्बे कद का व्यक्ति दुनिया को दिखाने में कामयाब रहा कि कैसे 'एक सौम्य तरीके से, आप दुनिया को हिला सकते हैं।'

डीएसीईई, जामिइ प्रो. सबीहा अंजुम जैदी, निदेशक, प्रेमचंद अभिलेखागार एवं साहित्य केंद्र, जामिइ द्वारा 'गांधी की जामिया' विषय पर एक वार्ता का भी आयोजन कर रहा है क्योंकि गांधीजी का जामिया से गहरा जुड़ाव था और वह इसे बहुत प्यार करते थे।

प्रो. जैदी विस्तार से बताएंगी कि कैसे ब्रिटिश राज के खिलाफ गांधी के असहयोग के आह्वान पर जामिया का गठन किया गया था। मुस्लिम राष्ट्रवादी नेताओं ने इसका नेतृत्व किया और 29 अक्टूबर, 1920 को अलीगढ़, यूपी में जामिया की स्थापना की। गांधी जामिया के आजीवन मित्र थे, जामिया ने आज भी उनके आदर्शों एवं मूल्यों पर चलना जारी रखा है। डॉ. शिखा कपूर, विभागाध्यक्ष, डीएसीईई, जामिया गांधी जयंती समारोह की संयोजक हैं।

जामिया के विभिन्न स्कूल भी कल गांधी जयंती के अवसर पर बहुत से कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं जिनमे 'गांधीजी और जामिया' - जामिया मिडिल स्कूल के छात्रों द्वारा उर्दू में

भाषण; अंग्रेजी में भाषण ' लेटर टू बापू- आज गांधी की प्रासंगिकता को संबोधित करने के लिए' हिंदी कविता का पाठ:'बापू के प्रति', खादी के प्रचार में गांधीजी का योगदान- स्लाइड के माध्यम से प्रस्तुति, जामिया मिडिल स्कूल के छात्रों द्वारा उर्दू नज़्म 'गांधीजी' का पाठ, ' गांधीजी के तीन बंदर' - माध्यमिक विद्यालय के 5 छात्रों द्वारा प्रदर्शन, छात्रों द्वारा भजन गायन, एक छात्र द्वारा रचित अंग्रेजी में कविता का पाठ, गांधीजी पर गीत ' दे दी हमें आज़ादी..' का गायन और रजिस्ट्रार, जामिया द्वारा प्रमाण पत्र वितरण प्रमुख हैं।

इससे पहले पर 30 सितंबर , 2021 प्रो सजल नाग, प्रख्यात विद्वान, प्रोफेसर और अध्यक्ष, इतिहास विभाग, असम विश्वविद्यालय ने 'द इन्विज़िबल महात्मा: मिल्लेनरियन इम्पेक्ट ऑफ़ गाँधी एंड एंटी-कोलोनिअल रेसिस्टेंस' पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया| यह व्याख्यान पूर्वोत्तर अध्ययन एवं नितिअनुसन्धान केंद्र, जामिया द्वारा गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किया गया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया